

2616वीं भगवान महावीर जयंती

(भगवान महावीर जन्म कल्याणक दिवस)

रोहतक, 9 अप्रैल, 2017।

भगवान महावीर का जीव जब गर्भ में आया एक अद्भुत घटना घटी। गर्भ में मेरे हलन चलन से मां को पीड़ा होती होगी, इसलिए वे बिल्कुल शांत और स्थिर हो गये कायोत्सर्ग की मुद्रा में स्थिर हो गये। गर्भ की स्थिरता से मां को चिंता हुई यह क्या हुआ। दासी को उसने बताया और यह बात पूरे राजमहल में फेल गई चारों ओर मायुसी छा गई राग-रंग, गाना-बजाना सब बंद हो गये, भगवान को पता लगा यह क्या हो गया। मां की पीड़ा को जानकर पुनः हलन-चलन प्रारंभ कर दिया।

भगवान का यह पहला संदेश बेटे-बेटियों के लिए मां को किसी तरह से पीड़ा नहीं होनी चाहिए। वर्तमान युग की यह भयंकर समस्या है। मां जिन्दगी भर देती ही देती है, लेती कुछ भी नहीं है। कान खोलकर सुनलो भगवान महावीर की वाणी मां-बाप को पीड़ा देने वाला जिन्दगी में कभी सुखी नहीं होता है। भगवान महावीर दो वर्ष तक वैराग्य अवस्था में रहे, संयम से उन्होंने जीवन को जीया। खाने का संयम, बोलने का संयम, सोने का संयम। सात्विक जीवन जीने की साधना। युवक-युवतियों के लिए संदेश है कि अपप संयम की साधना करना सीखो। कान-आंख खाने-पीने का संयम हो तो उनके जीवन में परिवर्तन घटित हो सकता है।

भारत के युवकों, बुजुर्गों, महिलाओं सबके लिए एक ही बात है। ध्यान करो, ज्ञान करो, राग-द्वेष से अपने मन को दूर करो। मन की शक्ति का उपयोग करो, सम्यक स्मृति, चिन्तन और कल्पनाओं से जीवन को श्रेष्ठ बनाओ। भगवान महावीर को भारत वासियों के लिए विशेष संदेश हिन्दू, जैन, ईसाई मुसलमान ये जितने धर्म हैं वे सम्प्रदाय हैं स्कूलस हैं उसमें जो सत्य अहिंसा और संयम ही धर्म है। बुराइयों का त्याग ही धर्म है। हिंसा, बलात्कार और भ्रूण हत्या महान पाप है। इससे दूर रहना है। जैन समाज को आडम्बर और दिखावे से दूर रह कर सादगी से जीवन जीना है। रोहतक का जैन समाज परस्पर एकता, प्रेम एक दूसरे के सहयोग से रहें।

मुझे बड़ी प्रसन्नता है कि जैन समाज एक मंच पर जैन जयन्ती मना रहा है। हमारे तत्त्व एक हैं, हमारा साधना पद्धति में थोड़ा अन्तर हैं। लेकिन तप ध्यान की विधि एक है। प्रेक्षाध्यान और जीवन विज्ञान से अपने जीवन को निर्मल बनाएं। इसके लिए चार बातें महत्वपूर्ण है। सही मुद्रा, सही श्वास, सही नींद, सही सोच ये चार बातें प्रेक्षाध्यान शिविर व जीवन विज्ञान प्रेक्षाध्यान कार्यशाला में बताई जाती है। मन की एकाग्रता के लिए अर्हम जप का अनुष्ठान होता है। चित्त शुद्धि के लिए ध्यान के प्रयोग करवाये जाते हैं। स्वस्थ सुखी जीवन के लिए योग ध्यान और साधना उपयोगी है।

The Secret of Past Lives का लोकार्पण

रोहतक, 8 अप्रैल, 2017।

The Secret of Past Live का लोकार्पण करते हुए प्रेक्षाप्राध्यापक मुनिश्री किशनलालजी ने कहा शरीर के साथ चेतना का अंत नहीं होता हैं भगवान महावीर का मुख्य संदेश आत्मा है, आत्मा थी, आत्मा रहेगी। उन्होंने जाति स्मृति के रूप में पूर्व जन्म की अनुभूतियां कराई। आगम में उसका स्पष्ट उल्लेख है उसी के माध्यम से **The Secret of Past Lives** के प्रयोग करवाये, जिससे सैकड़ों व्यक्तियों ने अपना पूर्व जन्म देखा है और अपने जीवन को बदला। किसी को अपने जीवन में परिवर्तन का मानस हो पूर्व जन्म अनुभूति शिविर में भाग लेग सकते हैं। यहां भी व्यवस्था हो तो यहां भी लग सकता है। 10 व्यक्तियों के नाम मेरे पास आ जाए तो यह प्रयोग करवाया जा सकता है। श्री राजेश जैन तथा इसके साथ जो भी व्यक्ति हैं उनके लिए साधुवाद। श्री बी.जैन पब्लिशर्स के मालिक कुलदीप जैन को भी साधुवाद।

दिल्ली मे तालकटोरा स्टेडियम में महावीर जयंती के अवसर पर श्री राजनाथजी आदि सभी उपस्थित हैं वे भी इसका विमोचन करेंगे। प्रधानमंत्री के भी उपस्थित होने की संभावना है। श्री जयंत मुनि इस कार्यक्रम में सहयोगी बनेंगे। ऐसी सूचना मिली है।

— अशोक सियोल

8112276722